CLASS - VI [सामान्य ज्ञान]

[भारत के प्राचीन राजवंशो के संक्षिप्त परिचय]

मौर्य राजवंश:— (322 से 185 ई० पूर्व) प्राचीन भारत का एक शक्ति शाली राजवंश था। मौर्य राजवंश ने 137 वर्ष भारत में राज्य किया। इसकी स्थापना का श्रेय चन्द्रगुप्त मौर्य और उसके मंत्री आचार्य चाणक्य (कौटिल्य) को दिया जाता है। यह साम्राज्य पूर्व में मगध राज्य में गंगा नदी के मैदानों से शुरु हुआ (आज का बिहार एवं बंगाल) इसकी राजधानी पाटलिपुत्र (आज के पटना शहर के पास) थी।
चन्द्रगुप्त मौर्य ने 322 ईसा पूर्व में इस साम्राज्य की स्थापना की और तेजी से पश्चिम की तरफ अपना साम्राज्य का विकास किया। उसने कई छोटे-छोटे क्षेत्रीय राज्यों के आपसी मतभेदों का फायदा उठाया जो सिकंदर के आक्रमण के बाद पैदा हो गये थे। 316 ईसापूर्व तक मौर्य वंश ने पूरे उत्तरी पश्चिमी भारत पर अधिकार कर लिया था। चक्रवर्ती सम्राट अशोक के राज्य में मौर्यवंश का वृहद स्तर पर विस्तार हुआ। सम्राट अशोक के कारण ही मौर्य वंश, साम्राज्य सबसे महान एवं शक्तिशाली बनकर विश्वभर में प्रसिद्ध हुआ।

शुंग राजवंश:— शुंग वंश प्राचीन भारत का एक शासकीय वंश था जिसने मौर्य राजवंश के बाद शासन किया। इसका शासन उत्तर भारत में

Scanned with CamScanner

187 ई॰पू॰ से 75 ई॰पू॰ तक यानि 112 वर्षों तक रहा था। पुष्यमित्र शुंग इस राजवंश का प्रथम शासक था।

कण्व वंश :— शुंगवंश के अन्तिम शासक देवभूति के मंत्री वसुदेव ने उसकी हत्या 73 ई॰पू॰ में कर दी तथा मगध की गद्दी पर कण्व वंश की स्थापना की। कण्व वंश ने 75 ई॰पू॰ से 30 ई॰पू॰ तक शासन किया। वसुदेव पाटलिपुत्र के कण्व वंश का प्रवर्तक था। वैदिक धर्म एवं संस्कृति संरक्षण की जो परम्परा शुंगों ने प्रारम्भ की थी। उसे कण्व वंश ने जारी रखा।

सातवाहन राजवंश :— सातवाहन प्राचीन भारत का एक राजवंश था। इसने ईसापूर्व 230 से लेकर इसवी सदी तक केन्द्रीय दक्षिण भारत पर राज किया। यह मौर्यवंश के पतन के बाद शक्तिशाली हुआ था। इनका उल्लेख 8वीं सदी ईसापूर्व में मिलता है। अशोक की मृत्यु के बाद सातवाहनों ने खुद को स्वतन्त्र घोषित कर दिया था। सीसे का सिक्का चलाने वाला पहला वंश सातवाहन वंश था, और वह सीसे का सिक्का रोम से लाया जाता था। यह वंश राजा शालीवाहन को वरदान प्राप्त होने के कारण वर्दिया अथवा वाडिया के

Scanned with CamScanner

के नाम से जाना जाता है, यह वंश महायुद्ध में प्रमुख रूप से विस्तृत है।

चेदि वंश :- चेदि आर्यों का एक अति प्राचीन वंश है। ऋग्वेद की एक दानस्तुति में इनके एक अत्यंत शक्तिशाली नरेश 'कशु' का उल्लेख है। ऋग्वेद काल में ये संभवतः यमुना और विंध्य के बीच बसे हुए थे।

पुराणों में वर्णित परंपरागत इतिहास के अनुसार, यादवों के नरेश विदर्भ के तीन पुत्रों में से द्वितीय कैशिक चेदि का राजा हुआ और उसने चेदि शाखा का स्थापना की। चेदि राज्य आधुनिक बुंदेलखण्ड में स्थित रहा होगा। ~~~~ और यमुना के दक्षिण में चंबल और केन नदियों के बीच में फैला रहा होगा। कुरु के सबसे छोटे पुत्र सुधन्वन् के चौथे अनुवर्ती शासक वसु ने यादवों से चेदि छीनकर एक नए राजवंश की स्थापना की। उसके पांच में से चौथे (प्रत्यग्रह) को चेदि का राज्य मिला।

महाभारत में शिशुपाल चेदि का राजा था। महाभारत के युद्ध में चेदि पांडवों के पक्ष में लड़े थे। छठी शताब्दी ईसा पूर्व के 16 महाजनपदों की तालिका में चेति अथवा चेदि का भी नाम आता है।

चोल वंश : — चोल प्राचीन भारत का एक राजवंश था। दक्षिण भारत में और पास के अन्य देशों में तमिल चोल शासकों ने 9वीं शताब्दी से 13वीं शताब्दी के बीच एक अत्यंत शक्तिशाली हिन्दू साम्राज्य का निर्माण किया। 'चोल' शब्द की व्युत्पत्ति विभिन्न प्रकार से की जाती रही है। चोलों के उल्लेख अत्यंत प्राचीन काल से ही प्राप्त होने लगते हैं। कात्यायन ने चोडों का उल्लेख किया है। अशोक के अभिलेखों में भी इसका उल्लेख उपलब्ध है। किन्तु इन्होंने संगमयुग में ही दक्षिण भारतीय इतिहास को संभवतः प्रथम बार प्रभावित किया। संगमकाल के अनेक महत्वपूर्ण चोल सम्राटों में करिकाल अत्यधिक प्रसिद्ध हुए संगमयुग के पश्चात् का चोल इतिहास अज्ञात है फिर भी चोल-वंश परंपरा एकदम समाप्त नहीं हुई थी, क्योंकि रेनंडु (बिला कुड़ाया) प्रदेश में चोल पल्लवों, चालुक्यों तथा राष्ट्रकूटों के अधीन शासन करते रहे।

शक-वंश : — शक-वंश प्राचीन मध्य एशिया में रहने वाली सिथियो लोगों की एक जनजाति या जनजातियों का समूह था। इनकी सही उत्पत्ति की पहचान करना कठिन रहा है क्योंकि प्राचीन भारतीय, ईरानी, यूनानी, और चीनी

Scanned with CamScanner

स्रोत इनका अलग-अलग विवरण देते हैं फिर भी अधिकतर इतिहासकार मानते हैं कि सभी शक स्किथी थे, लेकिन सभी स्किथी शक नहीं थे, यानि शक स्किथी समुदाय के अन्दर के कुछ हिस्सों का जाति नाम था। स्किथी विश्व के भाग होने के नाते शक एक प्राचीन ईरानी भाषा-परिवार की बोली बोलते थे और इनका अन्य स्किथी समरती लोगों से सम्बन्ध था। शकों का भारत के इतिहास पर गहरा असर रहा है क्योंकि यह युएझी लोगों के दबाव से भारतीय उपमहाद्वीप में घुस आये और उन्होंने यहाँ एक बड़ा साम्राज्य बनाया। आधुनिक भारतीय राष्ट्रीय कैलेंडर "शक संवत" कहलाता है। बहुत से इतिहासकार इनके दक्षिण एशियाई साम्राज्य को "शकास्तान" कहने लगे हैं, जिसमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, सिंध, खैबर-पख्तूनख्वा और अफगानिस्तान शामिल थे।

कुषाण राजवंश:— कुषाण राजवंश प्राचीन भारत के राजवंशों में से एक था। कुछ इतिहासकार इस वंश को चीन से आए युएझी लोगों के मूल का मानते हैं इसी वजह से सम्राट कनिष्क ने अपना नाम और राजकीय भाषा भी

वैकट्रीयन कार्य भाषा करती, यहाँ एक मजबूत प्रमाण और मिल जाता है कि वो [illegible] कषाणा समुदाय में सम्मिलित हुए और उस तरह इसी तरह आर्य संस्कृति में कुषाण अपने आप को आत्मसात करके आर्यावर्त में शासन करने लगे। सर्वाधिक प्रमाणिकता के आधार पर कुषाण वंश को चीन से आया हुआ माना गया है। लगभग दूसरी शताब्दी ई०पू० के मध्य में सीमांत चीन में युएची नामक कबीलों की एक जाति हुआ करती थी जो कि खानाबदोशों की तरह जीवन व्यतीत किया करती थी। इसका सामना ह्युगनु कबीलों से हुआ जिसने उन्हे इनके क्षेत्र में खदेड़ दिया। ह्युगनु के सेना ने युची वहाँ से ये पश्चिम दिशा में नयी जगह की तलाश में चले गए। रास्ते में इली नदी के तट पर उनका सामना व्हुसुन नामक कबीलों से हुआ था। व्हुसुन भारी संख्या में उनके ऊपर अपना अधिकार कर लिया। यहाँ से युची दो भागों में बट गए युची का जो भाग यहाँ रुक गया वो लघु युची कहलाया और जो भाग यहाँ से पश्चिम दिशा में बढ़ा वो महान युची कहलाया। महान युची का सामना शकों से भी हुआ।

[राष्ट्रीय आंदोलन की महत्वपूर्ण तिथियाँ]

1). 29.03.1857 — बंगाल की बैरकपुर छावनी में मंगल पांडेय ने मेजर सार्जेंट की हत्या की।

2). 10.05.1857 — मेरठ में सैनिक क्रांति का श्रीगणेश।

3). 02.10.1869 — महात्मा गाँधी का जन्म।

4). 28.12.1885 — बम्बई के गोकुल दास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में 72 प्रतिनिधियों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना ए.ओ. ह्यूम के द्वारा किया गया।

5). 16.10.1905 — बंगाल विभाजन के लागू होने की तिथि, भारतीय जनता ने राष्ट्रीय शोक दिवस के रूप में मनाया।

6). 26.12.1907 — सूरत अधिवेशन में कांग्रेस दो गुटों में बँटी।

7). 26.12.1916 — कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौता।

8). 13.04.1919 — जलियाँवाला बाग हत्याकांड

9). 05.02.1922 — चौरा-चौरी हत्याकांड

Scanned with CamScanner

10). 31.12.1929 — कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज्य की मांग।

11) 12.03.1930 — गाँधीजी द्वारा अपने 79 कार्यकर्ताओं के साथ साबरमती आश्रम से डांडी मार्च का शुभारम्भ।

12). 12.11.1930 — प्रथम गोलमेज सम्मेलन का आयोजन।।

13) 05.03.1931 — गाँधी इर्विन समझौता।।

14). 23.03.1931 — भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी।

15). 03.02.1928 — साइमन कमीशन बम्बई पहुंचा।

16). 26.09.1932 — गाँधीजी तथा भीमराव अंबडकर के बीच पूना पैक्ट।

17). 22.09.1939 — मुस्लिम लीग द्वारा मुक्ति दिवस के रूप में मनाया गया।

18). 23.03.1942 — क्रिप्स मिशन का भारत आगमन।

Scanned with CamScanner

19). 08.08.1942 — कांग्रेस के बंबई अधिवेशन में भारत छोड़ो आंदोलन की घोषणा।

20). 12.02.1946 — नौसेना विद्रोह

21. 24.03.1946 — कैबिनेट मिशन का दिल्ली आगमन।

22). 16.08.1946 — मुस्लिम लीग द्वारा प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस की घोषणा।

23). 09.12.1946 — संविधान सभा की प्रथम बैठक सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में हुई।

24). 02.09.1946 — अंतरिम सरकार की स्थापना

25). 03.06.1947 — भारत के विभाजन की माउंटबेटन योजना

27). 15.08.1947 — भारतीय स्वतंत्रता की प्राप्ति।

28). 26.11.1949 — संविधान निर्माण कार्य पूर्ण

29). 26.01.1950 — भारतीय संविधान लागू, भारतीय गणतंत्र की स्थापना।

Scanned with CamScanner

सम - सामयिकी (Current Affairs)

1. हाल ही में किस राज्य में दुर्लभ प्रजाति का "पीला कछुआ" देखा गया? :— ओडिसा

2. किस स्थान पर भारतीय वायु सेना के कमांडरो का सम्मेलन आयोजित किया गया? :— नई दिल्ली

3. हाल ही में किस राज्य के राज्यपाल लालजी टंडन का निधन हो गया? :— मध्य प्रदेश

4. "सूरज कदे मरदा नहीं" नामक पुस्तक किसने लिखा? :— बलदेव सिंह सडकनामा

5. "मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना" किस राज्य में शुरू हुई? :— दिल्ली

6. विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस कब मनाया जाता है? :— 7 जून

7. किस ने ~~[illegible]~~ सीमाओं की सटीक निगरानी के लिए भारतीय सेना को 'भारत' नामक ड्रोन सौंप दिए गए हैं? :— DRDO (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन)

8. राष्ट्रीय झंडा अंगीकरण दिवस कब मनाया जाता है? :— 22 जुलाई

9. किस राज्य की सरकार ने "किसान मित्र योजना" शुरू की है? :— हरियाणा

10. किस राज्य सरकार ने "गोधन न्याय योजना" शुरू की है? :— छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

Sept
Aug

[भारत के महत्वपूर्ण दिवस एवं तिथियाँ]

थल सेना दिवस — 15 जनवरी
गणतंत्र दिवस — 26 जनवरी
शहीद दिवस — 30 जनवरी
राष्ट्रीय मतदाता दिवस — 25 जनवरी
भारतीय तटरक्षक दिवस — 1 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस — 28 फरवरी
टेलेंगाइन दिवस — 14 फरवरी
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस — 4 मार्च
मूर्ख दिवस — 1 अप्रैल
जालियाँवालाबाग हत्याकांड दिवस — 13 अप्रैल
भारतीय रेल परिवहन दिवस — 16 अप्रैल
मानव एकता दिवस — 24 अप्रैल
डॉक्टर दिवस — 1 जुलाई
स्वतंत्रता दिवस — 15 अगस्त
खेल दिवस — 29 अगस्त
शिक्षक दिवस — 5 सितम्बर
हिन्दी दिवस — 14 सितम्बर
सद्भावना दिवस — 20 ~~सितम्बर~~ अगस्त
गाँधी जयंती — 2 अक्टूबर
शास्त्री जयंती — 2 अक्टूबर
वायुसेना दिवस — 8 अक्टूबर
बाल दिवस — 14 नवम्बर
नागरिक दिवस — 19 नवम्बर
नौसेना दिवस — 4 दिसम्बर
झंडा दिवस — 7 दिसम्बर
किसान दिवस — 23 दिसम्बर
राष्ट्रीय एकता दिवस — 4 अक्टूबर

Scanned with CamScanner

[प्रसिद्ध व्यक्ति एवं उनके उपनाम]

उपनाम		व्यक्ति
राष्ट्रपिता	—	महात्मा गाँधी
बापू	—	महात्मा गाँधी
बिहार केसरी	—	डा० श्री कृष्ण सिंह
शांति पुरुष	—	लाल बहादुर शास्त्री
लौह पुरुष	—	सरदार वल्लभभाई पटेल
नेताजी	—	सुभाष चन्द्र बोस
अजातशत्रु	—	डा० राजेन्द्र प्रसाद
गुरुदेव	—	रविन्द्रनाथ टैगोर
जननायक	—	कर्पूरी ठाकुर
लोकनायक	—	जयप्रकाश नारायण
उड़नपरी	—	पी०टी० उषा
प्रियदर्शी	—	अशोक
जवान	—	भारतीय सैनिक
बाबूजी	—	जगजीवन राम
चाचा	—	जवाहर लाल नेहरू
बिहार विभूति	—	डा० अनुग्रह नारायण सिंह
स्वर कोकिला	—	लता मंगेकर
देशरत्न	—	डा० राजेन्द्र प्रसाद
शेरे कश्मीर	—	शेख अब्दुल्ला
दिनबंधु	—	चितरंजन दास
आन्ध्र केसरी	—	टी० प्रकाशम्
लोकमान्य	—	बाल गंगाधर तिलक
बंगाल केसरी	—	आशुतोष मुखर्जी
युवा तुर्क	—	चन्द्रशेखर

Scanned with CamScanner

उपनाम	व्यक्ति
हरियाणा हरिकेन	— कपिल देव
प्रियदर्शिनी	— श्रीमती इंदिरा गाँधी
मैसूर का शेर	— टीपु सुलतान
शहीद-ए-आजम	— भगतसिंह
सरदार	— बल्लभ भाई पटेल
हॉकी का जादूगर	— मेजर ध्यानचंद
भारत का मैकियावेली	— चाणक्य
भारत का नेपोलियन	— समुद्रगुप्त
भारत का शेक्सपीयर	— कालिदास
अहिंसा के पुजारी	— महात्मा गाँधी
भारतीय पुनर्जागरण के प्रभात	— राजा राम मोहन राय
मिस्टर क्लीन	— राजीव गाँधी
नाइटिंगेल ऑफ इण्डिया	— सरोजनी नायडू
निर्मल हृदय	— मदर टेरेसा
भारतीय राजनीति के भीष्मपितामह	— दादा भाई नौरोजी
एंग्री यंगमैन	— अमिताभ बच्चन
नेकेड फकीर	— महात्मा गाँधी

[राष्ट्रीय आंदोलन संबंधी प्रमुख वचन-नारे]

1. "हे राम" — महात्मा गाँधी
2. "इन्कलाब जिन्दाबाद" — भगत सिंह
3. "जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान" — अटल बिहारी वाजपेयी
4. "दिल्ली चलो" — सुभाष चन्द्र बोस
5. "जय हिन्द" — सुभाष चन्द्र बोस

Scanned with CamScanner

6. "करो या मरो" — महात्मा गाँधी
7. "भारत छोड़ो" — ,,
8. "साइमन कमीशन वापस जाओ" — लाला लाजपत राय
9. "आराम हराम है" — जवाहरलाल नेहरू
10. "जय जवान, जय किसान" — लाल बहादुर शास्त्री
11. "साम्राज्यवाद का नाश हो" — भगत सिंह
12. "कश्मीर चलो" — डा० मुरली मनोहर जोशी
13. "देश बचाओ देश बनाओ" — पी०वी० नरसिम्हाराव
14. "वेदों की ओर लौटो" — स्वामी दयानन्द सरस्वती
15. "श्रमेव जयते" — इन्दिरा गाँधी
16. "जय जगत" — विनोबा भावे
17. "मारो फिरंगी को" — मंगल पाण्डे
18. "वन्दे मातरम्" — बंकिमचन्द्र चटर्जी
19. "सम्पूर्ण क्रांति" — जय प्रकाश नारायण
20. "द लिवस इफ इंडिया हाउज" — जवाहरलाल नेहरू
21. "देश की पूजा ही राम की पूजा है" — मदनलाल धींगरा
22. "स्वराज हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है" — बालगंगाधर तिलक
23. "विजयी विश्व तिरंगा प्यारा" — श्यामलाल गुप्त

[भारत के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल]

पर्यटक स्थल	स्थान एवं राज्य
एलोरा की गुफाएँ	औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
अजन्ता की गुफाएँ	" "
एलीफैंटा की गुफाएँ	मुम्बई (महाराष्ट्र)
कुतुबमीनार	दिल्ली
हिलती मीनारें	अहमदाबाद (गुजरात)
पिछोला झील	उदयपुर (राजस्थान)
ताजमहल	आगरा (U.P)
गोलघर, पादरी की हवेली	पटना (बिहार)
हवा महल	जयपुर (राजस्थान)
टीपू का महल	बेंगलुरु (कर्नाटक)
चारमीनार	हैदराबाद (तेलंगाना)
गेटवे ऑफ इंडिया	मुम्बई (महाराष्ट्र)
सनसेट प्वाइंट	माउंट आबू (राजस्थान)
लक्ष्मण झूला	ऋषिकेश (उत्तराखंड)
कोणार्क मंदिर, जगन्नाथ मंदिर	पुरी (ओडिशा)
चौंसठ योगिनी मंदिर	खजुराहो (म० प्र०)
शालीमार बाग	श्रीनगर (कश्मीर)
शेरशाह का मकबरा	सासाराम (बिहार)
तारापुर का मछलीघर	मुम्बई (महाराष्ट्र)
बीबी का मकबरा	औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
विष्णुपद मंदिर	गया (बिहार)
हर मंदिर	पटनासाहिब (बिहार)
जैन मंदिर	अजमेर (राजस्थान)
काली का मंदिर	कोलकत्ता (प० बंगाल)

Scanned with CamScanner

स्वर्ण मंदिर — अमृतसर (पंजाब)
कुरुक्षेत्र का मंदिर — मथुरा (U.P)
मोती मस्जिद — आगरा (U.P)
बोटानिकल गार्डन — शिवपुर (कोलकत्ता)
राष्ट्रपति भवन — दिल्ली
साबरमती आश्रम — अहमदाबाद (गुजरात)
चीनी का रौजा — आगरा (U.P)
शांति निकेतन — कोलकत्ता (प० बंगाल)
मान मंदिर — ग्वालियर (म० प्र०)
उच्च महल — केरल
गिम कार्बेट पार्क — नैनीताल (उत्तराखंड)
आनन्द भवन — इलाहाबाद (U.P)
ढाई दिन का झोंपड़ा — अजमेर (राजस्थान)
गोलकुंडा का किला — हैदराबाद (तेलांगना)

[भारत के राष्ट्रीय प्रतीक]

भारत का राष्ट्रीय संवत् — शक संवत्
भारत का राष्ट्रीय वाक्य — सत्यमेव जयते
भारत की राष्ट्रीयता — भारतीय
भारत की राष्ट्रभाषा — हिन्दी
भारत की राष्ट्रीय लिपि — देवनागरी
भारत का राष्ट्रीय ध्वज — तिरंगा झंडा
भारत का राष्ट्रीय गान — जन-गण-मन

Scanned with CamScanner

भारत का राष्ट्रीय गीत – वन्दे मातरम्
भारत का राष्ट्रीय ध्वज गीत – हिन्द देश का प्यारा झंडा
भारत का राष्ट्रीय चिन्ह – अशोक चक्र
भारत का राष्ट्रीय नारा – सत्यमेव जयते
भारत के राष्ट्रपिता – महात्मा गाँधी
भारत का राष्ट्रीय धर्म – धर्म निरपेक्ष
भारत की राष्ट्रीय विदेश नीति – गुट-निरपेक्ष
भारत का राष्ट्रीय पुरस्कार – भारत रत्न
भारत का राष्ट्रीय दस्तावेज – श्वेत पत्र
भारत की राष्ट्रीय मुद्रा – रुपया
भारत की राष्ट्रीय नदी – गंगा
भारत की राष्ट्रीय पक्षी – मोर
भारत का राष्ट्रीय पशु – बाघ
भारत का राष्ट्रीय फल – आम
भारत का राष्ट्रीय फूल – कमल
भारत की राष्ट्रीय योजना – पंचवर्षीय योजना
भारत का राष्ट्रीय खेल – हॉकी
भारत की राष्ट्रीय मिठाई – जलेबी
भारत का राष्ट्रीय पर्व – 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस)
– 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस)
– 2 अक्टूबर (गाँधी जयंती दिवस)

Scanned with CamScanner